एम.ए. हिंदी (एम.एच.डी.)

पाठ्यक्रमकोड : एम.एच.डी.–03

उपन्यास एवंकहानियाँ

सत्रीय कार्य (जुलाई–2025 और जनवरी–2026) सत्रों के लिए

जुलाई–2025 सत्र के लिए अंतिमतिथि : 31 मार्च, 2026

जनवरी–2026 सत्र के लिए अंतिमतिथि : 30 सितम्बर, 2026

मानविकीविद्यापीठ

इंदिरागांधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

एम.एच.डी.–03
उपन्यास एवंकहानियाँ
सत्रीय कार्य
(सभी खंडोंपरआधारित)

पाठ्यक्रमकोड : एम.एच.डी.–3
सत्रीय कार्यकोड : एम.एच.डी.–3/टी.एम.ए./2025–2026
कुलअंक : 100

सभीप्रश्नों के उत्तरदीजिए।

1.	'गोदान' के आधार पर प्रेमचंद की जनतांत्रिक दृष्टि का सोदाहरण विवेचन कीजिए।	10
2.	'सूखा बरगद' उपन्यास में चित्रित मध्यवर्गीय समाज पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।	10
3.	'धरती धन न अपना' उपन्यास में दलित जीवन से संबंधित उपन्यासकार की दृष्टि पर प्रकाश डालिए।	10
4.	'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास की आत्मकथात्मकता पर सोदाहरण अपने विचार व्यक्त कीजिए।	10
5.	एक आंचलिक उपन्यास के रूप में 'मैला आंचल' का विश्लेषण कीजिए।	10
6.	'रोज़' कहानी के आधार पर मध्यवर्गीय स्त्री जीवन की विसंगतियों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।	10
7.	'तिरिछ' कहानी में चित्रित शहरों में लुप्त होती मानवीय संवेदना का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए।	10
8.	'पुरस्कार' कहानी में वर्णित राष्ट्रीय भावना और व्यक्ति चेतना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।	10
9.	निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए : (क) 'पाजेब' कहानी में चित्रित मध्यवर्गीय मानसिकता (ख) 'गोदान' में गाय का महत्त्व (ग) 'सिक्का बदल गया' कहानी में मानवीय मूल्यों का ह्रास (घ) 'त्रिशंकु' कहानी का शीर्षक	4X5=20